कठपुतली कला, रंगमंच कला, संगीत वाद्य यंत्र

कला और संस्कृति, संघ लोक सेवा आयोग और राज्य पीसीएस परीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है। कम से कम 2-3 सवाल प्रतिवर्ष संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में पूछे जाते हैं। आगामी परीक्षाओं में छात्रों को मदद के लिए, हम "कठपुतली कला, रंगमंच कला, संगीत वाद्य यंत्र" में महत्वपूर्ण नोट के साथ साझा कर रहे हैं।

कठपुतली कला

कठपुतली कला की उत्पत्ति मूल लैटिन शब्द 'प्यूपा' एक गुड़िया अर्थ से ली गई है।

धागा पुतली	1. कठपुतली, राजस्थान 2. कुनढेई, उड़ीसा 3. गोम्बेयेट्टा, कर्नाटक 4. बोम्मालट्टा, तमिलनाडु
छाया पुतली	1. तोगलु गोम्बयेट्टा, कर्नाटक 2. तोलु बोम्मालट्टा, आन्ध्र प्रदेश 3. रावण छाया उड़ीसा
छड़ पुतली	1. पुत्तलनाच, पश्चिमी बंगाल 2. यमपुरी, बिहार
दस्ताना पुतली	पावाकूथू, केरल

पारंपरिक रंगमंच के विभिन्न रूपों

रंगमंच रूपों	**सम्बंधित स्थान**
भांड-पाथर	कश्मीर, जम्मू-कश्मीर
स्वांग	रोहतक, हरियाणा
नौटंकी	लखनऊ और कानपुर, उत्तर प्रदेश

byjusexamprep.com

रासलीला	उत्तर प्रदेश
भवाई	गुजरात
रम्मन	उत्तराखंड
जात्रा	बंगाल
माच	मध्य प्रदेश
भाओना	असम
तमाशा	महाराष्ट्र
दशावतार	कोंकण और गोवा क्षेत्रों
कृष्णाट्टम	केरल
मुडियेट्टु	केरल
कुटियाट्टम	केरल
यक्षगान	कर्नाटक
तेरुकूथु	तमिलनाडु
कार्याला	हिमाचल प्रदेश
थेय्यम	केरल

संगीत वाद्ययंत्र

उपकरण	ध्वनि के स्रोत (के माध्यम से उत्पादित ध्वनि)	उदाहरण
तात्य वाद्य	एक स्ट्रिंग या तार के कंपन से	गिटार, वीणा, सितार, Rudraveena, सरोद, मैंडोलिन, Gotuvadyam
सुषिर वाद्य	एक खोखले स्तंभ में हवा फूंककर	बांसुरी, शहनाई, Nadaswaram
घन वाद्य	एक स्ट्राइकर या हथौड़ा से	Chipli, छड़ें, क्लैपर, ताल
अवनद्ध या चमड़	पशुओं की त्वचा पर चोट करके	ड्रम, नगाड़ा, टेबल

byjusexamprep.com